016

CPL-01

June - Examination 2016

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत साहित्य का इतिहास

Paper - CPL-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : अतिलघु उत्तरीय प्रश्न, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 (दो) अंक का होगा। प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द है।

1) (i) अर्धमागधी व शौरसेनी प्राकृत का मुख्यत: किस प्रदेश से सम्बन्ध रहा है?

(ii) तीर्थंकर महावीर ने अपने उपदेश मातृभाषा प्राकृत में क्यों दिये?

(iii) किन शास्त्रों को आगम की संज्ञा दी गयी है?

(iv) उपासक दशा ग्रंथ को आचारांग का पूरक ग्रंथ क्यों कहा गया है?

(v) कर्मसिद्धान्त के अनुसार विपाक किसे कहते हैं?

(vi) तीर्थंकर महावीर के उपदेशों को श्रुत क्यों कहा गया है?

(vii) नियमसार में मुख्यत: किस का कथन हुआ है?

(viii) शौरसेनी प्राकृत में दृष्टिवाद अंग की सुरक्षा करनेवाले प्रमुख आचार्यों एवं उनके द्वारा रचित ग्रंथों के नाम बताइए।

(ix) अर्धमागधी आगम साहित्य में कथाएँ क्यों लिखी गयी?

(x) किन्हीं तीन कथाकोशों के नाम लिखें।

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को कोई 4 (चार) करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंको का होगा। उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द होगी।

2) आचारांग के विभिन्न अध्ययनों की विषय–वस्तु को संक्षेप में बतायें।

3) ज्ञाता धर्म कथा में धर्म कथाओं के माध्यम से किन–किन विषयों पर प्रकाश डाला गया है?

4) प्रश्न व्याकरण के दूसरे खण्ड के आधार पर भगवान महावीर की सकारात्मक अहिंसा क्या है?

5) दक्षिण भारत में शौरसेनी प्राकृत कैसे पहुँची?

6) आचार्य गुणघर रचित कषाय पाहुड पर आगे किस–किस ने काम किया?

7) किन्ही 5 प्राकृत छन्द ग्रन्थों का नामोल्लेख कर किन्हीं 2 ग्रन्थोंपर संक्षेप में टिप्पणी लिखें।

8) समयसार के अनुसार शव आत्मा पर दृष्टि होने से व्यक्ति में कौन–कौन सी विशेषताएँ उत्पन्न होती हैं?

9) प्राकृत के प्राचीन कोश ग्रंथ कौन–कौन से है? किन्हीं 2 के विषय में बताइए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 (दो) प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का होगा। उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

10) भगवती ग्रन्थ को प्राचीन जेनज्ञान का विश्वकोश क्यों कहा गया है?

11) उपांग ग्रंथों के नाम बताइए तथा किन्हीं 5 पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

12) समय सार जैन अध्यात्म को हृदयंगम करने के लिए एक अपूर्व आगमग्रन्थ है। पुष्टि करें।

13) सम्राट अशोक द्वारा उत्कीर्ण कराये गये शिलालेखों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।